बदलता लखनऊ | सरोजनीनगर में गामा-रेज प्लांट लगा, ऐसा ही एक प्लांट डिफेंस कॉरिडोर में भी लगाया जा रहा है

लखनऊ बनेगा फल, सब्जियों का एक्सपोर्ट हब

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता।
लखनऊ फल और सब्जियों का जल्द ही एक्सपोर्ट हब बनने वाला है। इसकी वजह यह है कि जिस कमी की वजह से यह पिछड़ जा रहा था, वह अब दूर हो गई है। लखनऊ के सरोजनीनगर में गामा रेडिएशन का प्लांट 100 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो चुका है। यूपी के कुछ अन्य जिलों में भी ऐसे प्लांट लगाए जाएंगे। इस प्लांट से फल और सब्जियों का जीवन काल आश्चर्यजनक रूप से बढ़ जाता है। ऐसे में एक्सपोर्ट करने में आसानी होगी।
डिप्टी कमिश्नर उद्योग एमके चौरसिया ने बताया कि लखनऊ में अब दो प्लांट हो जाएंगे। एक प्लांट डिफेंस कॉरिडोर में लग रहा है। डिप्टी कमिश्न के अनुसार कुछ देशों ने तो साफ कह रखा है कि बिना 'गामा रेडिएशन ट्रीटमेंट' के फल और सब्जियां आयात नहीं करेंगे।
वर्ष 2022-23 के दौरान लखनऊ से 1339 करोड़ रुपये का निर्यात हुआ था। इस मौजूदा वित्तीय वर्ष में निर्यात 1450 करोड़ से ऊपर जाने की उम्मीद है। एमके चौरसिया ने बताया कि विद्युत चुम्बकीय रेडिएशन वाली गामा रेज एक खास यंत्र से हो कर गुजरती हैं। इस दौरान बॉक्स में रखी सब्जियां और फलों के भीतर सड़न पैदा करने वाले बैक्टीरिया, फंगस आदि को नष्ट कर देती है। इसके प्रभाव से फलों और सब्जियों का अंकुरण भी धीमा हो जाता है।

लम्बे समय तक सुरक्षित रहेंगे फल, सब्जी-अनाज

100
करोड़ की लागत से लखनऊ में बनकर तैयार हो गया गामा रेडिएशन प्लांट

दूसरे राज्य नहीं भेजना पड़ेगा ट्रीटमेंट के लिए

गामा रेडिएशन प्लांट लगाने वाले उद्यमी सौरभ गर्ग ने बताया कि इन किरणों से न सिर्फ फल सब्जी बल्कि मीट उत्पाद और अनाज भी लम्बे समय तक सुरक्षित रखे जा सकते हैं। लखनऊ आम का बड़ा उत्पादक है। यहां के जो आम पहले मानक पूरे न होने की वजह से निर्यात नहीं हो पाते थे। पिछले साल तीन मीट्रिक टन आम यहां से हैदराबाद गामा रेज ट्रीटमेंट के लिए भेजा गया था। आलू, प्याज, फल, मसाला, पेट फूड आदि सुरक्षित रहेंगे, लम्बे समय तक। साथ ही निर्यात के मानक पूरे होंगे। यूएस, साउथ अफ्रीका सहित कई देश उन्हीं फल व सब्जी का आयात करते हैं, जो गामा रेडिएशन प्लांट से निकली हों।